भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2482

जिसका उत्तर 20 दिसम्बर, 2021 को दिया जाना है।

.....

नदियों को परस्पर जोड़ने संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रभाव

2482. श्री मल्लिकार्जुन खरगेः

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में वर्षा के पैटर्न और जलवायु परिवर्तन पर नदियों को परस्पर जोड़ने संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईएलपी) के प्रभाव का आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) विगत बीस वर्षों से इस कार्यक्रम के प्रायद्वीपीय नदी घटक के अंतर्गत नदियों को परस्पर जोड़नें संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईएलपी) द्वारा अन्यत्र मोड़े गए/हस्तांतरित किए गए जल में कर्नाटक के हिस्से का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडू)

(**क**) **और (ख):** नेशनल इंटर-लिंकिंग ऑफ रिवर्स कार्यक्रम में अधिक जल की अधिकता वाले बेसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों में जल का भंडारण और अन्तरण शामिल है, जो जलवायु परिवर्तन की अस्थिरता से सुरक्षा हेतु जोखिम कम करने संबंधी उपाय है।

(ग): इंटर-लिंकिंग ऑफ रिवर्स (आई एवं आर) कार्यक्रम के अंतर्गत, कर्नाटक सहित राज्यों से जल का दिशा परिवर्तन/अन्तरण का अंश संबंधित लिंकों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) को अंतिम रुप दिए जाने के बाद ही तय किया जा सकता है। डीपीआर को भी इसके लिए संबंधित राज्यों के बीच आम सहमति के बाद ही अंतिम रूप दिया जा सकता है।

******